मेहनतकशों का पैग़ाम
मेहनतकशों के नाम

मज़दूर मोर्चा

साप्ताहिक

Email : mazdoormorcha365@gmail.com
www.mazdoormorcha.com
Postal Reg. No. L-2/FBD/463/2020-22 /R.N.I. No. 2022007062

एफएमडीए का एक और सड़क घोटाला	2
भगत सिंह की क्रांतिकारी विरासत का सैन्यीकरण	4
कानून की परवाह किसे है?	5
अडानी की दौलत का काला साम्राज्य	6
कोरोना के नाम पर मॉक ड्रिल की नौटंकी	8

वर्ष 37 | अंक 7 | फरीदाबाद | 1-7 जनवरी 2023 | फोन-8851091460 | ₹ 5.00

प्रॉपर्टी आईडी बनाने का बड़ा घोटाला

सरकारी खजाना तो लुटा ही, जनता की लूट भी जारी

फ़रीदाबाद (म.मो.) नगर पालिकायें अथवा नगर निगम सदा से ही सार्वजनिक सेवाओं के लिये गृहकर जिसे अब प्रॉपर्टी टैक्स कहकर शहरियों से वसूलती आ रही हैं। किस प्रॉपर्टी से कितना टैक्स वसूलना है, इसके लिये सरकार कुछ नियम अथवा फार्मूले तय कर दिया करती थी। उसी के आधार पर शहरी निकाय के कर्मचारी मौका-मुआयना करके टैक्स की वसूली किया करते थे। धीरे-धीरे कर्मचारियों के आभाव में मौका-मुआयना अथवा सर्वेक्षण का काम सरकार ने विभिन्न कम्पनियों को देना शुरू कर दिया।

भाजपा की खट्टर सरकार ने इस सर्वे को एक नया नाम एक नये तरीके से देने का षडयंत्र रचा। इसे प्रॉपर्टी आईडी बताया गया। आईडी बनाने का काम जयपुर के किसी संजय गुप्ता की याशी कम्पनी को दिया गया। कम्पनी के मालिक गुप्ता ने पहले कभी इस तरह का कोई काम नहीं किया था। यानी कि उसे इस काम का कोई तजुर्बा नहीं था। हां, उसे संघ की शाखाओं में ढोल बजाने का

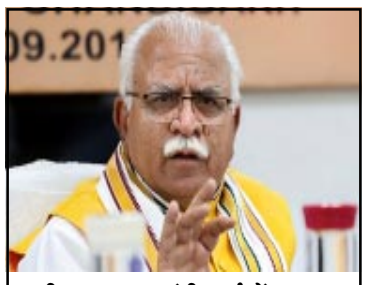
सीएम खट्टर : संघी भाईयों का घर अब भी नहीं भरेंगे तो कब भरेंगे

अच्छा-खासा तजुर्बा है। उसी तजुर्बे के आधार पर संघ प्रचारक रह चुके सीएम खट्टर ने उसे अपने राज्य के इस काम का ठेका दे दिया। करीब एक साल तक 'काम' करके गुप्ता ने जो प्रॉपर्टी आईडी बनाई उनमें से 90 प्रतिशत गलत साबित हो रही हैं। इन्हें ठीक कराने के लिये लोग स्थानीय निकाय कार्यालयों के चक्कर लगाने व रिश्वतें देने को मजबूर हैं। गुप्ता की याशी कम्पनी द्वारा सारे काम का बेड़ा गर्क करने के बाबजूद उसे 57 करोड़ की पेमेंट अदा करने का रास्ता साफ़ करने के लिये निकाय अफ़सरों ने जनता के तथाकथित नुमाइंदों से कम्पनी के हक में प्रस्ताव पारित कराये। इसके आधार पर सरकार ने उसे 57 करोड़ की पेमेंट करते हुए उसके ठेके को रद्द कर दिया। बड़ा गजब मामला है। अच्छी-खासी पेमेंट भी कर दी और ठेका भी रद्द कर दिया।

ठेके को रद्द करना कोई उपाय नहीं है, इससे जनता को कोई राहत मिलने वाली नहीं है। रद्द करना ही था तो कम्पनी द्वारा किये गये सर्वे को रद्द करना था और उसे पेमेंट करने की बजाय उससे हर्जा वसूलना चाहिये था। याशी द्वारा बिगाड़े गये सारे काम को अब निकाय कर्मचारियों द्वारा पूरा एवं दुरुस्त कराये जाने की योजना है। इसके लिये कोई अतिरिक्त कर्मचारी भी भर्ती नहीं किये जायेंगे, जाहिर है ऐसे में यह काम कभी पूरा होने वाला नहीं दीखता। इसके पूरा न होने से लोगों को चाहते हुए भी पॉप्रर्टी टैक्स अदा करने में भारी कठिनाइयां आ रही हैं।

दूसरी ओर सरकार ने प्रॉपर्टीज की खरीद-फरोख्त के पंजीकरण के लिये एनओसी की शर्त अनिवार्य कर दी है। परन्तु पंजीकरण के लिये एनओसी तभी मिल पायेगा जब प्रॉपर्टी टैक्स अदा हो जाय। इस चक्कर में मजबूर लोग सम्बन्धित कर्मचारियों को मोटी रिश्वतें देकर अपने काम निकलवाने को मजबूर हैं। इसी एनओसी के दबाव से निकाय जनता से भारी-भरकम विकास शुल्क भी वसूल रहे हैं। जो मकान-दुकान आदि 20-30 साल या इससे भी पहले बन कर आबाद हो चुके हैं उनसे भी भारी-भरकम वसूली इसी मद में की जा रही है। दरअसल संघी भाईचारा निभाने के लिये खट्टर सरकार हर तरह से जनता को लूट लेना चाहती है।

अब लेप्टॉन कम्पनी बतायेगी शहर में ट्रैफ़िक जाम की स्थिति

फ़रीदाबाद (म.मो.) यातायात को सुचारु रूप से चलाने एवं सड़कों को जाम मुक्त करने के लिये शहर में आवश्यकता के अनुरूप पार्किंग स्थल बनाने, सड़कों पर सफेद लकीरे खींचने व तरह-तरह की बेरीकेडिंग करने तथा वाहनों को उठाने के लिये क्रेनों की व्यवस्था 'कराने' के बाद अब 'लेप्टॉन' की नई खोज की गई है।

प्रेस में आये डीसीपी ट्रैफिक नीतिश कुमार अग्रवाल के बयान के मुताबिक किसी भी इलाके में जाम की पूर्व सूचना देने के लिये उक्त कम्पनी से टाईअप कर लिया गया है। यानी जाम तो हटा न पाये, उसकी सूचना देने का प्रबन्ध कर दिया है, क्या गजब है। डीसीपी ने यह नहीं बताया कि इस टाईअप की कितनी कीमत जनता के खजाने से अदा की जायेगी? जैसे, सरकार ने प्रॉपर्टी अरईडी को टाईअप याशी कम्पनी से करके जनता के 57 करोड़ लुटवा दिये हैं, अब कितने लुटवाने जा रहे हैं?

जाम की स्थिति बताने के लिये तो कम्पनी का चुनाव कर लिया गया है परन्तु शहर की सड़कों व चौक-चौराहों पर लगने वाले जाम को हटाने के लिये डीसीपी साहब की पूरी पलटन कुछ भी करने को तैयार नहीं। बदरपुर बॉर्डर से लेकर धुर बल्लबगढ़ तक के तमाम मोड़ों पर जाम केवल इस लिये लगे रहते हैं कि वाहन

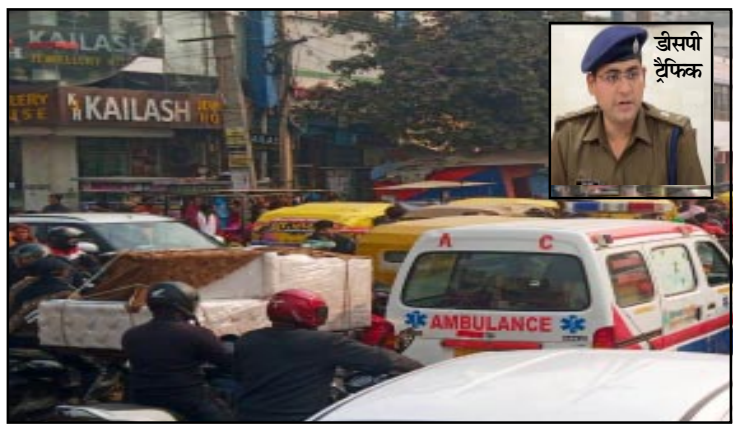

अनावश्यक रूप से सड़क घेर कर खड़े रहते हैं। और तो और अजरोंदा मोड़ स्थित डीसीपी महोदय के कार्यालय के सामने व अगल-बगल में वाहनों की अवैध पार्किंग के चलते सदैव जाम की स्थिति बनी रहती है। उनके ठीक सामने नीलम रेलवे ओवरब्रिज की पैदल पटरी पर दुपहिया वाहन फर्राटे भरते हुए पैदल चलना मुश्किल कर देते हैं।

जो डीसीपी अपने नाक पर बैठी मक्खी तक को न उड़ा पाये तो उनसे क्या उम्मीद की जा सकती है कि वे एक-दो नम्बर चौक, बीके चौक नीलम चौक पर सदैव लगे रहने वाले वाहनों के जमावड़े को हटा पायेंगे?

बाटा-हार्डवेयर चौक वाली सड़क तो मानो ट्रक वालों को बेच ही दी गई हो। इस सड़क पर कोई समय ऐसा नहीं होता जब ट्रकों ने सड़क को न घेर रखा हो। पीक आवर्स में तो यहां से गुजरना तक भारी हो जाता है। आधा किलोमीटर का रास्ता तय करने में 10 मिनट तक भी लग जाते हैं। यही एक सड़क नहीं और भी अनेकों ऐसी सड़क हैं जहां वाहनों की अनावश्यक पार्किंग के चलते जाम की स्थिति बनी रहती है। इन वाहनों से निपटने के लिये अधिक कुछ नहीं केवल पार्किंग के चालान ही यदि लगातार किये जाते रहें तो लोग स्वत: सड़क घेरना छोड़ देंगे।

हरियाणा के खेल मंत्री संदीप सिंह पर यौन शोषण का आरोप

खेल मंत्री संदीप सिंह

नेशनल एथलीट और हरियाणा में नियुक्त जूनियर कोच शिक्षा डागर का आरोप, खेल मंत्री संदीप सिंह ने अपने आवास पर बुलाकर छेड़छाड़ की।

शिक्षा डागर ने कहा कि खेल मंत्री संदीप सिंह ने उनसे इंस्टाग्राम के जरिए कॉन्टेक्ट किया था। उन्हें अपने आवास पर दस्तावेज देखने के बहाने से बुलाया था। केबिन का दरवाजा बंद कर लिया गया था। जब मंत्री ज्यादा बदतमीजी पर उतरने लगे तो वह जैसे तैसे करके पिछले दरवाजे से निकलकर भागी। इसकी शिकायत करने के लिए वह डीजीपी, मुख्यमंत्री तथा गृहमंत्री के यहां तक भी पहुंची। इन सभी स्थानों पर उसे चुप रहने की सलाह देते हुए कहा गया कि पंगे में मत पड़ो, इनसे उलझना भारी पड़ सकता है, तुम्हारी तो लाश भी नहीं मिलेगी। इसके बाद मंत्री के खिलाफ कार्यवाही तो क्या होनी थी उसका तबादला चण्डीगढ़ से झज्जर कर दिया गया। झज्जर में ट्रेनिंग करने की कोई व्यवस्था नहीं है जिसकी कि एक नेशनल खिलाड़ी को आवश्यकता होती है। मंत्री संदीप सिंह ने उसको कहा मेरी बात मानने पर आपको सभी सुविधाएं और मनचाही जगह पोस्टिंग मिलेगी।

शिक्षा डागर ने कहा मेरी किसी ने सुनवाई नही की इसलिए आज इनेलो नेता अभय चौटाला से मिली, अभय चौटाला ने हिम्मत देकर मीडिया के सामने आने के लिए कहा है, किसी जगह से कोई मदद नही मिली इसलिए अब मीडिया के सामने आई हूं।

शिक्षा डागर का कहना है कि मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म के जरिए मुझसे बात की लेकिन मंत्री ने एक ऐसा सॉफ्टवेयर इस्तेमाल किया है जिस पर चैट का रिकॉर्ड नही मिल सकता।

शिक्षा डागर ने कहा कि मंत्री इस तरह की छेड़छाड़ अन्य महिला खिलाड़ियों के साथ भी करते रहते हैं लकिन वे मुंह खोलने की हिम्मत नहीं जुटा पाई।

शिक्षा डागर पर अभय चौटाला का बड़ा बयान

अभय चौटाला ने कहा नेशनल खिलाड़ी शिक्षा डागर ने हरियाणा के खेल मंत्री सन्दीप सिंह पर आरोप लगाए है। शिक्षा जो राष्ट्रीय स्तर की अच्छी खिलाड़ी (एथलीट) है नेशनल लेवल की एथलीट ने अपनी बात रखी कि किस तरह से एक खेल मंत्री एक महिला खिलाड़ी के साथ व्यवहार करता है।

अभय ने कहा इस मामले का सीएम को संज्ञान लेकर मंत्री को तुरन्त बर्खास्त करना चहिये। अगर मंन्त्री खिलाड़ियों के साथ ऐसा व्यवहार करेंगे तो कैसे मैडल मिलेंगे, अगर मंन्त्री को बर्खास्त नही करते तो स्पोर्टस के सभी लोगों से बात करूंगा।

अभय चौटाला ने कहा इस मामले में तुरन्त कार्रवाई होनी चाहिए। इस मामले में मैंने भूपेंद्र हुड्डा से भी बात की है। मैं अभी सीएम से बात करूंगा कि इसपर कार्रवाई करें। संदीप सिंह को बर्खास्त करके सरकार एसआईटी बनाकर जांच कराए।